प्रेषक,

डा0 गिरीश चन्द्र खरे,
अनु सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-5 *लखनऊ: दिनांक 05 जनवरी, 2018*

विषय- केन्द्रीय कारागार, फतेहगढ़ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी मनोज पुत्र प्रताप नरायन, सचिन पुत्र गौरेन्द्र नरायन एवं मैकू पुत्र छुन्नू के उपचार हेतु क्रमशः रू0 1,73,775/- (रूपये एक लाख तिहत्तर हजार सात सौ पचत्तर मात्र), रू0 1,20,000/- (रूपये एक लाख बीस हजार मात्र) एवं रू0 2,00,000/- (रूपये दो लाख मात्र) की धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वरिष्ठ अधीक्षक (मु0), कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं, उ0प्र0, लखनऊ के पत्र संख्या-44079/सामा-1(5) बं0चि0 जि0 का0 फतेहगढ़/ 2017, दिनांक 12-12-2017 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि महामहिम श्री राज्यपाल महोदय, केन्द्रीय कारागार, फतेहगढ़ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी मनोज पुत्र प्रताप नरायन, सचिन पुत्र गौरेन्द्र नरायन एवं मैकू पुत्र छुन्नू के उपचार हेतु क्रमशः रू0 1,73,775/- (रूपये एक लाख तिहत्तर हजार सात सौ पचत्तर मात्र), रू0 1,20,000/- (रूपये एक लाख बीस हजार मात्र) एवं रू0 2,00,000/- (रूपये दो लाख मात्र) की धनराशि की प्रशासकीय/वित्तीय स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों के अधीन प्रदान करते हैं:-

(1) उक्त बन्दी **मनोज पुत्र प्रताप नरायन एवं मैकू पुत्र छुन्नू** का उपचार जी0एस0वी0एम0 मेडिकल कालेज, कानपुर में एवं **सचिन पुत्र गौरेन्द्र नरायन** का उपचार एस0जी0पी0जी0आई0 लखनऊ में ही कराया जायेगा तथा उपचार के उपरान्त यदि कोई धनराशि शेष बचती है तो उसे नियमानुसार राजकोष में जमा करा दी जाय।

(2) यह भी सुनिश्चित किया जाये कि प्रश्नगत बंदियों का उपचार कारागार विभाग द्वारा कराया जाना उसकी जीवन रक्षा के लिए अपरिहार्य एवं आवश्यक है तथा उक्त बंदियों के शीघ्र ही कारागार से रिहा होने की कोई सम्भावना नहीं है।

(3) कृपया यह सुनिश्चित करें कि वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों तथा समय-समय पर जारी शासन के संगत आदेशों का कड़ाई से अनुपालन प्रत्येक स्तर पर सुनिश्चित किया जाये तथा जहां आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय।

2- उक्त के निमित्त होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष-2017-2018 के अनुदान संख्या-25 के लेखाशीर्ष-2056 जेलें-आयोजनेत्तर के 101-03 समस्त कारागार के मानक मद संख्या-42 अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा तथा उपलब्ध प्राविधान से वहन किया जायेगा।

2--

यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

1- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

3- यह आदेश वित्त विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या-ई-12-251/दस-2014-01/2014, दिनांक 13-08-2014 में दिये गये निर्देशों के अधीन जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा0 गिरीश चन्द्र खरे)
अनु सचिव।

संख्या: 04/2018/ 3381जे0(1)/22-5-18-तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
2- जिला मजिस्ट्रेट, फर्रूखाबाद।
3- मुख्य कोषाधिकारी, फर्रूखाबाद ।
4- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, फतेहगढ़।
5- वित्त (व्यय–नियंत्रण) अनुभाग-12
6- कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-4
7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(डा0 गिरीश चन्द्र खरे)
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

1- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।